

(महत्वपूर्ण)

संख्या— १५० /बी०सू०का०/सू०प्र०/2004—05

प्रेषक,

डा० आर०एस०टोलिया,
मुख्य सचिव,
उत्तरांचल शासन।

प्रेष्य,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तरांचल।

बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग

दिनांक: देहरादून, ३०, अक्टूबर, 2004

विषय:- 20 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक हित के कार्यों की सूची का प्रकाशन।

महोदय,

उत्तरांचल शासन, बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन के शासनादेश संख्या—699/बी०सू०का०/सू०प्र०/2004—05 दिनांक 14—8—2004 के अन्तर्गत बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन के गुणात्मक स्तर में वृद्धि तथा विश्वसनीयता सुनिश्चित करने हेतु कार्यक्रम से लाभान्वित व्यक्तियों तथा सार्वजनिक हित में निर्मित कार्यों की सूचियों का नियमित रूप से प्रत्येक माह ससमय प्रकाशन करने के उपरान्त मण्डल के माध्यम से शासन को उपलब्ध कराये जाने के निर्देश हैं। कार्यक्रम की पारदर्शिता हेतु यह आवश्यक भी है। इसीलिए समीक्षा हेतु सूची प्रकाशन को अन्य मदों के सापेक्ष अधिक भार तथा महत्व दिया गया है। जहाँ अन्य मदों में शत—प्रतिशत उपलब्धि हेतु A श्रेणी, 80 से 99 % पर B श्रेणी, 60 से 79 % पर C श्रेणी तथा 60 से कम होने पर तथा D श्रेणी के लिए कमशः 3, 2, 1 व (-1) अंक निर्धारित हैं, वहाँ दूसरी ओर अल्प बचत तथा सूची प्रकाशन मद में A, B, C एवं D श्रेणी के लिए दो गुना अर्थात् 6, 4, 2 तथा (-3) अंक कमशः निर्धारित किये गये हैं। इसके उपरान्त भी माह अगस्त 2004 की प्रगति रिपोर्ट से विदित होता है कि कतिपय विभागों के जनपद स्थित कार्यालयों द्वारा सूचियों का ससमय प्रकाशन नहीं किया गया, जबकि सूची प्रकाशन हेतु एक माह का यथोच्च समय उपलब्ध था। फलस्वरूप राज्य स्तरीय समीक्षा में सूची प्रकाशन मद को निम्नतर श्रेणी “सी” प्राप्त हुई। यह स्थिति अत्यन्त आपत्तिजनक है तथा सम्बन्धित अधिकारी की अक्षमता का द्योतक है।

अतः उपर्युक्त सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि भविष्य में ससमय सूची प्रकाशन न होने का कोई कारण स्वीकार नहीं किया जायेगा तथा इसे अक्षम्य मानते हुए सम्बन्धित अधिकारी को प्रतिकूल प्रविष्टि दी जायेगी। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि सूची प्रकाशन का सम्पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित विभागाध्यक्ष, जिलाधिकारी तथा सचिव का होगा। लाभार्थियों की सूचियों को मण्डल स्तर पर प्रेषण से पूर्व जिलाधिकारी स्वयम् अवलोकन कर सुनिश्चित कर लें कि समस्त विभागों की सूचियों को समुचित प्रकाशन किया जा चुका है साथ ही विभिन्न स्तरों पर निम्न निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाय:-

- 1- जनपद में स्थित सम्बन्धित कार्यालयाध्यक्ष निर्धारित प्रारूप पर लाभार्थियों की सूचियों तीन स्पष्ट प्रतियों में पलापी सहित सम्बन्धित अर्थ एवं संख्याधिकारी को आगामी माह की 21 वीं तिथि तक तथा अपने विभाग के मण्डलीय अधिकारी एवं निदेशालय को उपलब्ध करायेंगे।
- 2- अर्थ एवं संख्याधिकारी उक्त सूचियों का परिनिरीक्षण करने तथा यदि कोई त्रुटियाँ पायी जाती हैं तो उनका निराकरण करने के उपरान्त दो प्रतियों में मण्डल कार्यालय को आगामी माह की प्रथम तिथि तक उपलब्ध करा देंगे, शेष एक प्रति अपने कार्यालय में सुरक्षित रखेंगे तथा आवश्यकतानुसार छाया प्रति तैयार कर सत्यापन कर्ता अधिकारी को उपलब्ध करायेंगे।
- 3- उप निदेशक (अर्थ एवं संख्या), मण्डल से सम्बन्धित समस्त सूचियों का परिनिरीक्षण करेंगे तथा यदि कोई त्रुटियाँ पायी जाती हैं तो उनका निराकरण कराने के उपरान्त पांचवीं तिथि तक बीस सूत्री कार्यक्रम विभाग को उपलब्ध करायेंगे।
- 4- बीस सूत्री कार्यक्रम से सम्बन्धित विभाग भी प्रगति के आधार पर सूचियों का रख-रखाव प्रत्येक स्तर पर करेंगे, जिसमें निरीक्षण का दायित्व बीस सूत्री कार्यक्रम विभाग को होगा।

भवदीय,

(जा० आर०एस० ठोलिया)

मुख्य सचिव।

संख्या-१५० / बी०स०का० / सू०प्र० / 2004-05 तददिनांकित:

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- (1) सम्बन्धित प्रमुख सचिव / सचिव उत्तरांचल शासन।
- (2) बीस सूत्री कार्यक्रम से सम्बन्धित समस्त विभागाध्यक्ष, उत्तरांचल।
- (3) मण्डलायुक्त, कुमांयु/गढ़वाल मण्डल।
- (4) निदेशक, (अर्थ एवं संख्या) उत्तरांचल, देहरादून।
- (5) उप निदेशक, (अर्थ एवं संख्या) कुमांयु/गढ़वाल मण्डल।
- (6) समस्त अर्थ एवं संख्याधिकारी, उत्तरांचल।
- (8) राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र(N.I.C.), राज्य इकाई उत्तरांचल।

आज्ञा से

(अमरनन्द सिन्हा)

सचिव, नियोजन।